हाड़ौती श्री फूलमाली समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन में लोक सभा अध्यक्ष का संबोधन

हाड़ौती फूलमाली समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में आप सब लोगों के बीच आकर मुझे बड़ी खुशी हो रही है।

सबसे पहले मैं आज परिणय बंधन में बंधने जा रहे समाज के 40 जोड़ों को, युवक–युवतियों को हार्दिक बधाई देता हूँ। आपको भावी सुखद जीवन के लिए शुभकामनाएं देता हूँ।

आज आखा तीज (अक्षय तृतीया) के शुभ अवसर पर समाज के सभी लोगों को बधाई देता हूँ।

पिछले साल भी आपने सामूहिक विवाह सम्मेलन में आने के लिए निमंत्रण दिया था, लेकिन किसी कारण से आना नहीं हो पाया था। लेकिन समाज के कार्यक्रमों में मैं समय-समय पर आता रहता हूँ। अभी पिछले साल जब कोटा में समाज ने युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया था, उसमें भी मैं गया था। तब भी देखा था, और आज फिर यहां आकर देख रहा हूँ कि माली समाज ने समय के साथ प्रगति की है। समय के साथ ना सिर्फ समाज के युवाओं की सोच बदली है, बल्कि समाज के बड़े-बुजुर्गों की सोच भी बदली है।

आज इस समाज में शिक्षा को लेकर जो जागरूकता आई है, वो अपने आप में अद्‌भुत है। महात्मा फूले जी से प्रेरणा लेकर समाज आगे बढ़ रहा है। करीब 150 साल पहले महात्मा ज्योतिबा फूले और माता सावित्री बाई फूले जी ने शिक्षा को लेकर जो अलख जगाई थी, उसी के कारण आज समाज इतना जागरूक है। उन्होंने पूरे देश को संदेश दिया कि शिक्षा से शक्तिशाली कोई हथियार नहीं है। और जब तक हम अपने बच्चों को नहीं पढ़ाएंगे, जब तक हम अपनी बालिकाओं को नहीं पढ़ाएंगे, तब तक ना स्वयं का विकास हो सकता है, और ना ही देश का उत्थान हो सकता है।

आज शिक्षा का मतलब 10वीं, 12वीं पास कर लेने से नहीं है, आज एजुकेशन का मतलब है, हायर एजुकेशन। हमारी युवा पीढ़ी उच्च शिक्षा प्राप्त करें, इसके लिए सभी को संकल्प लेना चाहिए।

पिछले कुछ वर्षों से मैं देख रहा हूँ कि माली समाज के युवा पढ़ाई में और हर क्षेत्र में आगे आए हैं।

यहाँ कोटा में भी और पूरे देश और विदेश में ही, मैं हर तरह के लोगों से मिलता हूँ। बिजनेसमैन से मिलता हूँ, युवा विद्यार्थियों से मिलता हूँ, स्टार्टअप्स शुरू करने जा रहे नौजवानों से मिलता हूँ, कोचिंग स्टूडेंट्स से मिलता हूँ तो अधिकारियों-कर्मचारियों से भी मिलता हूँ। मैं देखता हूँ कि चाहे जो क्षेत्र हो, आज इस समाज के बच्चे, इस समाज के युवा बड़ी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। साइंस में जा रहे हैं, तकनीकी में, उच्च शिक्षा में आगे बढ़ रहे हैं और इनोवेशन कर रहे हैं।

एक समय था जब समाज में शिक्षा का कोई स्तर नहीं था। फूल - माला–सब्जी बेचना, खेती-बाड़ी जैसे काम समाज के लोग करते थे। शिक्षा में, प्रशासन में समाज की भागीदारी ना के बराबर थी। मगर आज बदलाव आया है। और आज बदलाव आया है तो ये समाज के युवाओं की मेहनत और काबिलियत से तो आया ही है, इसी के साथ मैं समझता हूँ कि समाज के बड़े-बुजुर्गों के कारण भी आया है। क्योंकि आप लोगों ने किसी भी स्थिति में रहकर, जैसे-तैसे गुजारा कर अपने बच्चों को पढ़ाया है। शिक्षा पर ध्यान दिया है, उच्च शिक्षा के लिए पढ़ने घर से बाहर भी भेजा है। इसलिए आज समाज के बच्चे डॉक्टर, इंजीनियर बन रहे हैं, अधिकारी बन रहे हैं।

जो समाज शिक्षा पर ध्यान देता है, वो समाज भविष्य पर ध्यान देता है, वो समाज अधिक जागरूक होता है। यह समाज कि जागरूकता का ही परिणाम है कि आज यहाँ सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन हो रहा है।

सामूहिक विवाह सम्मेलन एक बहुत अच्छी सोच है। ऐसे सम्मेलनों से समाज संगठित रहता है, मजबूत होता है और आगे बढ़त है। आज के समय में हमें दिखावे पर ध्यान नहीं देना है, बल्कि अपने विकास पर ध्यान देना है।

कई बार होता है, जब शादी-ब्याह में व्यक्ति अपनी श्रद्धा से ज्यादा खर्च कर बैठता है और फिर उस कारण से जीवन में कई जरूरी जगह उसे कटौती करनी पड़ती है। बच्चों की पढ़ाई में, खुद कि सेहत में कटौती करनी पड़ती है। ऐसा नहीं होना चाहिए।

सामूहिक विवाह सम्मेलन से यह उपयोगिता है कि इसमें समाज का छोटा-बड़ा हर व्यक्ति साथ आता है, सभी साथ जुडते हैं और इसमें हर व्यक्ति अपनी श्रद्धा के अनुसार सहयोग देता है। ऐसे आयोजन हमें सीख देते हैं कि हमें आपस में प्यार-प्रेम से रहना चाहिए।

एक अकेली लकड़ी को आसानी से तोड़ा जा सकता है, लेकिन लड़कियों के गट्ठर को आसानी से नहीं तोड़ा जा सकता है। संगठन में और समाज में यह शक्ति है। इसलिए हम अपने समाज से जुड़कर रहे। जो भी काम करें, उसमें अपने देश और समाज का भी सोचें।

इसी सोच के साथ देश और प्रदेश में माली समाज कई हॉस्टल भी संचालित करता है। जिसमें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवा और यूनिवर्सिटी में आगे की पढ़ाई कर रहे नौजवानों को प्रोत्साहन दिया जाता है। वो नौजवान समाज के हॉस्टल में रहकर अपनी पढ़ाई करते हैं और फिर आगे जाकर देश कि अर्थव्यवस्था में, देश के विकास में और समाज के उत्थान में अपना योगदान देते हैं।

आज इस सम्मेलन में ये समस्त युवाओं और समाज के सभी जनों से आग्रह करूंगा कि हमें इसी भावना के साथ आगे भी काम करना है। समाज के साथ देश हित हमारा कर्तव्य है।

हम समय-समय पर ऐसे आयोजन कर अपने आप को अधिक सशक्त बनाएं, जो रास्ता महात्मा ज्योतिबा फूले जी और माता सावित्री बाई फूले जी ने दिखाया है, हम उस रास्ते पर चलें। इसी संदेश के साथ एक बार फिर आप सभी को बहुत बहुत बधाई।